N.J. Yasaswy Memorial Lecture by Water Man of India – Jan 08, 2019

इक्फाई विश्वविद्यालय ने जल संसाधन प्रबंधन पर एनजे यशस्वी मेमोरियल लेक्चर का किया आयोजन

जल प्रबंधन से रोक सकते हैं पलायन : राजेंद्र सिंह

सेलाकुई | हमारे संवाददाता

इक्फाई विश्वविद्यालय ने जल संसाधन प्रबंधन पर एनजे यशस्वी मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जल जन पुरुष डॉ.राजेंद्र सिंह ने कहा कि देश में बाढ़ और सूखे का मुख्य कारण पारिस्थितिक असंतुलन है।

इसका एक मुख्य कारण देश को भूजल की पुनः पूर्ति के लिए जल स्रोतों की कमी है। हर समुदाय जल प्रबंधन के जरिये खेती बाड़ी करेगा और पीने के साफ पानी की व्यवस्था कर पायेगा तो ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों से होने वाला पलायन रोका जा सकता है।

इक्फाई विश्व विद्यालय में आयोजित जल संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह और विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने दीप जला कर किया। इस मौके पर बोलते हुए डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी टीम ने एक साथ मिलकर 11800 जल

आयोजन

- देश में बाढ़ और सूखे का मुख्य कारण पारिस्थितिकीय असंतुलन
- जल संसाधन प्रबंधन स्थायी विकास का एक अहम पहलू

स्रोतों को पिछले 45 सालों में पुनर्जीवित किया है। इक्फाई विश्वविद्यालय सेलाकुई में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि

इस काम के लिए हमने सरकार से किसी भी तरह का आर्थिक सहयोग नहीं लिया है। कहा कि हमारी युवा पीढ़ी जल संसाधनों के संरक्षण की जरूरत को समझते हुए स्थायी जल संसाधन प्रबंधन की दिशा में अपना योगदान दें जिससे समाज का उद्धार हो सके।

इस मौके पर इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र सिंह का इस मौके पर स्वागत किया। डॉ. अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को बताया कि डॉ. राजेंद्र सिंह वॉटर मैन ऑफ इंडिया के के नाम से जाने जाते है। जिन्हें रमन मैग्सेसे पुरस्कार से नवाजा भी गया है। डॉ.राजेंद्र सिंह तरुण भारत संघ नामक एक एनजीओ के चेयरमैन है जिसे सन् 1975 में स्थापित किया गया था।

इस एनजीओ के चेयरमैन के तौर पर इन्होंने राजस्थान की बंजर भूमि पर जल संसाधन प्रबंधन द्वारा जनजीवन के उत्थान में सराहनीय योगदान दिया है। डॉ.अग्रवाल ने जल संसाधन प्रबंधन को स्थायी विकास के लिए एक अहम पहलू बताया। विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. मुदु विनय ने कहा कि आज दुनियां में जल का स्तर लगातार घटता जा रहा है। आने वाले समय में पानी के लिए युद्ध होने की कई वैज्ञानिक तक घोषणा कर चुके हैं। ऐसे में जलप्रबंधन पर जोर देना आवश्यक है।

रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर राजीव सेठी ने बताया की पृथ्वी पर मौजूद सभी जल स्रोतों का सिर्फ तीन प्रतिशत जल उपयोग में लाने योग्य है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो.राघवेन्द्र शर्मा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। प्रो.सरिता नेगी, प्रो.मोनिका खरोला, डॉ.अमित जोशी, डॉ.अंकिता श्रीवास्तव, प्रो.संजीव मालवीय, डॉ.राकेश पांडे, प्रो.जी.एस. चक्रवर्ती इस मौके पर मौजूद रहे।

इक्फाई विश्वविद्यालय सेलाकुई में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। • हिन्दुस्तान

Hindustan

युवा पीढ़ी जल संरक्षण की जरूरत समझे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

इक्फाई विश्वविद्यालय में एनजे यशस्वी मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को जल संसाधन प्रबंधन से अवगत कराया गया। साथ ही जल संरक्षण के लिए एकजुटता से आगे आने की अपील की गई।

इक्फाई विवि में जल संसाधन प्रबंधन पर एनजे यशस्वी मेमोरियल व्याख्यान आयोजित

बृहस्पतिवार को विवि परिसर में आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि डा. राजेन्द्र सिंह बाढ़ और सूखे की मुख्य वजह पारिस्थितिक असंतुलन बताया। उन्होंने कहा कि देश में भूजल की पूर्ति के लिए जल स्रोतों की कमी भी एक बड़ा मुद्दा है। जल प्रबंधन के जरिये खेती एवं पीने के साफ पानी की व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों से होने वाले पलायन रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीम के साथ मिलकर पिछले 45 सालों में करीब 11800 जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया गया है। इसके लिए सरकार से किसी भी तरह की आर्थिक मदद नहीं ली गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि डा. राजेन्द्र सिंह।

युवा पीढ़ी जल संसाधनों के संरक्षण की जरूरत को समझे और स्थायी जल संसाधन प्रबंधन की दिशा में अपना योगदान देने के लिए आगे आये। इक्फाई विवि के कुलपति डा. पवन कुमार अग्रवाल ने कहा कि वाटर मैन नाम से विख्यात डा. राजेंद्र सिंह को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। डा.राजेंद्र सिंह ने तरुण भारत संघ एनजीओ के जरिये राजस्थान की बंजर भूमि पर जल संसाधन प्रबंधन द्वारा जनजीवन के उत्थान में सराहनीय योगदान दिया है। डा. अग्रवाल ने जल संसाधन प्रबंधन को स्थायी विकास के लिए एक अहम पहलू बताया। प्रतिकुलपति डा. मुदु विनय ने देश में आधुनिक प्रबंधन शैक्षिक व्यवस्था में स्व. एनजे यशस्वी के योगदान पर प्रकाश डाला। रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर (सेनि.) राजीव सेठी ने जल संरक्षण की दिशा में जागरूकता लाने पर जोर दिया।

इस मौके पर प्रो.सरिता नेगी, प्रो.मोनिका खरोला, डा. अमित जोशी, डा. अंकिता श्रीवास्तव आदि थे।

Rashteriya Sahara

वाटर मैनेजमेंट पर सेमिनार में मंथन

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (10 Jan): इक्फाई यूनिवर्सिटी ने स्व. एनजे यशस्वी की याद में जल संसाधन प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन किया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जल संसाधन प्रबंधन की जरुरत से अवगत कराना था.

पलायन रोकने में कारगर

सेमिनार में चीफ गेस्ट के रूप में डॉ. राजेंद्र सिंह मौजूद रहे. यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. पवन अग्रवाल ने चीफ गेस्ट का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. राजेंद्र सिंह वॉटर मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाने जाते हैं. साथ ही उन्हें रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से भी नवाजा गया है. इस मौके पर डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि देश में बाढ़ और सूखे का मुख्य कारण पारिस्थितिक असंतुलन है. इसका एक मुख्य कारण ये भी है की देश को भूजल की पुन: पूर्ति के लिए जलस्रोतों की कमी है. हर समुदाय जल प्रबंधन के जरिये खेती-बाड़ी करेगा, पीने के साफ पानी की व्यवस्था कर पाएगा तो पलायन रोका जा सकता है. उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने 11800 जलस्रोतों को पिछले 45 सालों में पुनर्जीवित किया है. उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी जल संसाधन प्रबंधन की दिशा में अपना योगदान देना चाहिए. इस मौके पर यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलपति डॉ. मुद्रु विनय, रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर राजीव सेठी आदि मौजूद रहे.

I-next

देहरादून। भारत गौरव यात्रा के रूप में चार जनवरी 2019 को गुवाहटी से प्रारंभ हुई। आगामी 16 से 18 जनवरी तक यह देहरादून आने वाले हैं। इस संबंध में गुरुवार को प्रेस क्लब में अभाविप ने वार्ता का आयोजन किया। इस अवसर पर यात्रा के संयोजक राहुल कुमार लवा ने बताया कि 16 जनवरी को यह छात्र राज्यपाल मौर्य से भी मुलाकात करेंगे। बताया कि देहरादून में यह छात्र परिषद कार्यकर्ताओं के घर रुकेंगे और उत्तराखंड की संस्कृति, भाषा, खानपान, वेशभूषा से रूबरू होंगे।

गोष्ठी का आयोजन

देहरादून। इक्फाई विश्वविद्यालय में एनजे यशस्वी की याद में गुरुवार को "जल संसाधन प्रबंधन" विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जल संसाधन के प्रबंधन की जरूरत से अवगत कराना था। इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र सिंह का इस स्वागत किया।

विकास कार्यक्रम से

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। अक्सर संवासिनियों के स्वास्थ्य और रखरखाव व्यवस्थाओं के चलते सुर्खियों में रहने वाले नारी निकेतन में कुछ समय पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने दौरा किया था। उन्होंने नारी निकेतन में रह रही संवासिनियों और राज्य किशोर गृह की बालिकाओं को कौशल विकास कार्यक्रम से जोड़ने के निर्देश दिए थे, जिसको लेकर जिला परिवीक्षा अधिकारी द्वारा योजना बनाई गई है। संभावना है कि योजना का अंतिम रूपांतरण जनवरी माह के अंत तक कर दिया जाए। ऐसा होने से न सिर्फ संवासिनियों को आर्थिक रूप से मदद मिलेगी बल्कि यह उनके सशक्तिकरण को लेकर भी एक बेहतरीन कदम है।
गुरुवार को इस संबंध में जिला परिवीक्षा अधिकारी (डीपीओ) मीना बिष्ट ने बताया कि वर्तमान

निःस्वार्थ भाव से गाय की सेवा करते हैं गौसेव

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। राज्य पशुपालन मंत्री रेखा आर्य की अध्यक्षता में किसान भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सूबे के 22 गौसदनों को गौवंश भरण-पोषण मद की पहली किश्त के रूप में 63 लाख रुपये वितरित किए गए। यह चैक इन गौसदनों को गौवंश सेवा में अपना योगदान देने के लिए दिए गए हैं। इस अवसर पर राज्यमंत्री रेखा आर्य ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उनके गौसेवकों को सम्मानित करना था, जो निस्वार्थ भावना से गायों की रक्षा करते हैं।
बता दें कि गुरुवार को जिन 22

किसान भवन में कार्यक्रम के दौरान चेक दिखाते गौसेवक।

अल्मोड़ा से चुनाव लड़ने की जताई

किसान भवन में कार्यक्रम से पूर्व राज्य मंत्री रेखा लोकसभा चुनावों में अल्मोड़ा या पिथौरागढ़ से चुनाव जाहिर की है। कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा अल्मोड़ा या पिथौरागढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़

Dainik Bhaskar

सेमिनार | इकफाई विश्वविद्यालय सेलाकुई में हुआ जल संसाधन प्रबंधन विषय पर सेमिनार

बाढ़ और सूखे का कारण पारिस्थितिकी असंतुलन

अमर उजाला ब्यूरो

सेलाकुई। इकफाई विश्व विद्यालय सेलाकुई में जल संसाधन प्रबंधन विषय पर आयोजित एनजे यशस्वी मैमोरियल सेमिनार में युवाओं को जल संसाधन प्रबंधन की जानकारी दी गई। सेमिनार में जल पुरुष के नाम से विख्यात रैमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि देश में बाढ़ और सूखे का मुख्य कारण पारिस्थितिकी असंतुलन है।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने 11800 जल स्रोतों को पिछले 45 सालों में पुनर्जीवित किया है। कहा कि युवा पीढ़ी के जल संसाधन

मैग्सेसे पुरस्कार विजेता डॉ. राजेंद्र सिंह ने दी जल प्रबंधन की जानकारी

प्रबंधन की दिशा में योगदान देने से ही समाज का उद्धार होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पवन कुमार अग्रवाल ने जल संसाधन प्रबंधन को स्थाई विकास के लिए अहम पहलू बताया। सेमिनार में कुल सचिव ब्रिगेडियर राजीव सेठी ने भी विचार रखे। प्रति कुलपति डॉ. मुद्दू विनय ने एनजे यशस्वी के आधुनिक शिक्षण व्यवस्था में योगदान पर चर्चा की।

शिक्षकों और छात्रों से वार्ता करते जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह। अमर उजाला

इस दौरान सेमिनार के समन्वयक प्रो. राघवेंद्र शर्मा, प्रो. मोनिका खरोला, डॉ. अमित जोशी, डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव मालवीय, डॉ. राकेश पांडे, प्रो. जीएफ चक्रवर्ती आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala

जल प्रबंधन व खेतीबाड़ी से पलायन को रोका जा सकता है : डॉ. राजेंद्र सिंह

विकासनगर, 11 जनवरी एजेंसी। इक्फाई विश्वविद्यालय ने जल संसाधन प्रबंधन पर एनजे यशस्वी मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जल जल पुरुष डॉ.राजेंद्र सिंह ने कहा कि देश में बाढ़ और सूखे का मुख्य कारण परिस्तिथिक असंतुलन है। इसका एक मुख्य कारण देश को भूजल की पुन: पूर्ति के लिए जल स्रोतों की कमी है । हर समुदाय जल प्रबंधन के ज़रिये खेती बड़ी करेगा और गाँव के साफ़ पानी की व्यवस्था कर पायेगा तो ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों से होने वाला पलायन रोका जा सकता है इक्फाई विश्व विद्यालय में आयोजित जल संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह और विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने दीप जला कर किया। इस मौके पर बोलते हुए डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी टीम ने एक साथ मिलकर 11800 जल स्रोतों को पिछले 45 सालो में पुनर्जीवित किया है। इस काम के लिए हमने सरकार से किसी भी तरह का आर्थिक सहयोग नहीं लिया है। कहा कि हमारी युवा पीड़ी जल संसाधनों के संगरक्षण की ज़रूरत को समझते हुए स्थायी जल संसाधन प्रबंधन की दिशा मे अपना योगदान देंगे जिससे समाज का उद्धार हो सके। इस मौके पर इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने मुख्या अतिथि डॉ. राजेंद्र सिंह का इस मौके पर स्वागत किया। डॉ. अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को बताया कि डॉ. राजेंद्र सिंह वॉटर मैन ऑफ इंडिया के के नाम से जाने जाते है। जिन्हे रमन मैग्सेसे पुरस्कार से नवाज़ा भी गया है। डॉ.राजेंद्र सिंह तरुण भारत संघ नमक एक एनजीओ के चेयरमैन है जिसे सन, 1975 मे स्थापित किया गया था। इस एनजीओ के चेयरमैन के तौर पर इन्होने राजस्थान की बंजर भूमि पर जल संसाधन प्रबंधन द्वारा जनजीवन के उत्थान मे सराहनीय योगदान दिया है। डॉ.अग्रवाल ने जल संसाधन प्रबंधन को स्थायी विकास के लिए एक अहम पहलू बताया। विश्वविद्यालय के प्रति.कुलपति डॉ. मुद्दु विनय ने कहा कि आज दुनियां में जल का स्तर लगातार घटता जा रहा है। आने वाले समय में पानी के लिए युद्ध होने की कई वैज्ञानिक तक घोषणा कर चुके हैं। ऐसे में जलप्रबंधन पर जोर देना आवश्यक है। रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर राजीव सेठी ने बताया की पृथ्वी पर मौजूद सभी जल स्रोतों का सिर्फ तीन प्रतिशत जल उपयोग में लाने योग्य है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो.राघवेन्द्र शर्मा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। प्रो.सरिता नेगी, प्रो.मोनिका खरोला, डॉ.अमित जोशी, डॉ.अंकिता श्रीवास्तव, प्रो.संजीव मालवीय, डॉ.राकेश पांडे, प्रो.जी.एफ चक्रवर्ती इस मौके पर मौजूद रहे।

PUNJAB KESARI